मंगला गौरी व्रत कथा PDF

प्राचीन समय की बात है एक नगर में धर्मपाल नाम का एक व्यापारी रहता था। वह बहुत ही अमीर था। और उसकी पत्नी बहुत ही सुंदर थी। परंतु फिर भी वे दुखी रहते थे। उनके दुखी रहने का एक मुख्य कारण संतान का न होना था। भगवान की कृपा से उनके घर में एक पुत्र ने जन्म लिया लेकिन वह अल्पायु था।

उन्हें यह श्राप मिला हुआ था कि जैसे ही उनका बेटा 16 वर्ष का हुआ सांप के काटने की वजह से उसकी मृत्यु हो जाएगी। 16 वर्ष से पहले ही उनके पुत्र का विवाह एक ऐसी लड़की से हो जाता है जिसकी माता मंगला गौरी का व्रत किया करती थी।

शादी के पश्चात उन्होंने अपनी बेटी को आशीर्वाद दिया कि तुम सुखी जीवन जियोगी। और व्रत के प्रभाव से वह श्राप टल गया और इसी वजह से धर्मपाल के पुत्र को 100 वर्ष की आयु का वरदान प्राप्त हुआ।

जो भी स्त्री इस व्रत कथा को ध्यान से सुनती है और माता गौरी का पूजन सच्चे दिल से करती है उसके पति की आयु निश्चित ही बढ़ती है। और उनके वैवाहिक जीवन में खुशहाली आ जाती है।

pdfinbox.com